रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01072022-236923
CG-DL-E-01072022-236923

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 464] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 30, 2022/ आषाढ़ 9, 1944
No. 464] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 30, 2022/ASHADHA 9, 1944

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून 2022

सं. 57/2022-सीमा शुल्क (गै.टे.)

सा.का.नि. 485(अ).— सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 84 के साथ पठित धारा 157 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड कूरियर आयात और निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक उद्घोष्णा और प्रसंस्करण) विनियम, 2010, में और आगे भी संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम करती हैं, यथा: -

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ - (1) इन विनियमों को कूरियर आयात और निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक उद्घोष्णा और प्रसंस्करण) संशोधन विनियम, 2022 कहा जा सकता है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. कूरियर आयात और निर्यात (इलेक्ट्रॉनिक उद्घोष्णा और प्रसंस्करण) विनियम, 2010 में (एतश्मिन पश्चात उक्त विनियम से संदर्भित किया गया है), विनियम 2 में,-

(क) उप-विनियम (2) में, खंड (क) में, उप-खंड (iv) के लिए निम्नलिखित उप-खंड को प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा:-

"(iv) कीमती और अर्द्धकीमती पत्थर, किसी भी रूप में सोना या चांदी, उप-विनियम (4) में निर्दिष्ट पुन: आयात की सीमा को छोड़कर;".

(ख) उप-विनियम (3), के पश्चात निम्नलिखित उप-विनियम को अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा:-

"(4) ये विनियम निम्नलिखित के पुन: आयात पर भी लागू होंगे, -

(i) कीमती धातुओं से बने आभूषण, चाहे जड़े हों अथवा नहीं या कीमती और अर्ध-कीमती नगों से सेट किए गए हों, जिन्हें CTH 7113 के तहत वर्गीकृत किया गया हो किन्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 के 51) की पहली अनुसूची के CTSH 71131190 और CTH 71131960 में शामिल न किया गया हो, और

(ii) सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के CTH 7117 के तहत वर्गीकृत बनावटी आभूषण,

जो कि किसी निर्यातक द्वारा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से तथा कूरियर मोड का प्रयोग करते हुए बेचा और निर्यात किया जाता हो और उसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से, विनियम 6क में विनिर्दिष्ट शर्तों और प्रतिबंधों के अनुसार उसी मोड का प्रयोग करते हुए वापस लौटाया जाता हो।"

3. उक्त विनियमों में, विनियम 3 में, उप-विनियम (1) में, खंड (घ) के पश्चात निम्नलिखित खंड को अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा:-

"(घक) "ई-कॉमर्स" का अर्थ है ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इंटरनेट के माध्यम से माल खरीदना और बेचना, जिसका भुगतान अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट या डेबिट कार्ड के माध्यम से किया जाएगा और जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया गया है;"।

4. उक्त विनियमों में, विनियम 6 के पश्चात निम्नलिखित विनियम को अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा:-

"6क. किसी ई-कॉमर्स प्लैटफ़ॉर्म पर कोरियर के माध्यम से निर्यात किए गए आभूषण के वापस किए जाने पर उसके पुन: आयात के लिए शर्तें और प्रतिबंध.- इन विनियमों के अन्य प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, विनियम 2 उप-विनियम (4) में विनिर्दिष्ट वापस किए गए आभूषण या बनावटी आभूषणों के पुन: आयात के लिए निम्नलिखित शर्तें और अनुबंध भी लागू होंगे, यथा:-

(क) उक्त प्राधिकृत कूरियर उसी आयातक-निर्यातक कोड धारक (IEC) के लिए पुन: आयात के लिए कूरियर बिल ऑफ एंट्री को दयार करता हो और उसी अंतर्राष्ट्रीय कूरियर टर्मिनल पर उसी के लिए तथा उसी जगह दायर करता हो जहां कि उसी आभूषण के निर्यात के लिए तत्संबंधी कूरियर शिपिंग बिल (CSB-V) को दायर किया गया हो;

(ख) ई-कॉमर्स द्वारा आभूषण वापसी का लेनदेन उसी प्रेषिती द्वारा शुरू किया जाता हो जिसे उक्त आभूषण को संबंधित कूरियर शिपिंग बिल (CSB-V) के तहत और उसी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर निर्यात किया गया हो;

बशर्ते कि प्रेषिती के देश में एक कूरियर एजेंट या संभारतंत्र सेवा प्रदाता भी वापसी ई-कॉमर्स लेनदेन शुरू कर सकता है यदि उत्पाद को उस देश में आयात के लिए सीमाशुल्क मंजूरी नहीं दी जा सकी हो;

(ग) ऐसे पुन: आयात के लिए कूरियर बिल ऑफ एंट्री दाखिल करते समय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वापसी पुष्टिकरण पृष्ठ की प्रति एक्सप्रेस कार्गो क्लीयरेंस सिस्टम (ECCS) पर अपलोड की गई हो;

(घ) कूरियर बिल ऑफ एंट्री में पुन: आयात का कारण बताया गया है और लौटाई गई आभूषण वस्तु को मूल पैकिंग के साथ पुन: आयात किया गया हो;

(ङ) निर्यातक, जो पुनः आयात कर रहा है, के पास वैध IEC और पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणपत्र (GJEPC द्वारा जारी किया गया) होना चाहिए;

(च) पुन: आयात के तहत आभूषण वस्तु का फ़्री ऑन बोर्ड (FOB) मूल्य निर्यात होने पर पच्चीस हजार रुपये से अधिक न हो;

(छ) इस तरह के पुन: आयात के लिए कूरियर बिल ऑफ एंट्री (CBE) निर्यात के लिए संबंधित कूरियर शिपिंग बिल के लेट एक्सपोर्ट ऑर्डर (LEO) की तारीख से पैंतालीस दिनों की अवधि के पश्चात दाखिल नहीं किया जाएगा;

(ज) निर्यात सामान्य घोषणापत्र (EGM) की उचित फाइलिंग द्वारा संबंधित निर्यात का मिलान किया गया हो;

(झ) इस तरह के पुन: आयात के लिए दाखिल किए गए प्रत्येक कूरियर बिल ऑफ एंट्री में निर्यात के लिए दाखिल संबंधित कूरियर शिपिंग बिल V (CSB-V) के अनुरूप मद-वार विवरण शामिल किया गया है;

(ञ) पुन: आयात के तहत आभूषण मद संबंधित कूरियर शिपिंग बिल-V (CSB-V) में दिए गए विवरण और अन्य विनिर्देशों के अनुरूप हो और मेल खाते हो;

(ट) किसी वित्तीय वर्ष में किसी भी IEC धारक के लिए ऐसे आयातों का कुल कोस्ट इंशुरन्स तथा फ्रेट (CIF) मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के CTH 7113, (CTSH 71131190 और CTSH 71131960 को छोडकर) के अंतर्गत वर्गीकृत आभूषण तथा CTH 7117 के अंतर्गत वर्गीकृत बनावटी आभूषणों के, उक्त IEC धारक द्वारा गत वित्तीय वर्ष में ECCS पर कूरियर मोड के तहत किए गए निर्यात, के कुल FOB मूल्य (भारतीय मूल्य में) के 2% या 1 लाख रुपये, इनमें से जो भी अधिक हो, से अधिक नहीं होगी;

(ठ) किसी वित्तीय वर्ष में वापसी किए जाने वाले ऐसे पुन: आयातो के लिए दायर किए गए कूरियर बिल ऑफ एंट्री की कुल संख्या किसी IEC धारक द्वारा पिछले वर्ष सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के CTH 7117 तथा CTH 7113 (CTSH 71131190 और CTSH 71131960 को छोडकर) के अंतर्गत वर्गीकृत नकली आभूषणों के लिए दायर की गयी कूरियर शिपिंग बिल (CSB-V) की कुल संख्या के 5% या दस, इनमें से जो भी अधिक हो, से अधिक नहीं होगी;

(ड) उपरोक्त खंड (ट) और (ठ) में किसी भी बात के होते हुए भी, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए, किसी भी IEC धारक के लिए इस तरह के पुन: आयात का कुल सीआईएफ मूल्य पच्चास हजार रुपये से अधिक नहीं होगा और कूरियर बिल ऑफ एंट्री की कुल संख्या पांच से अधिक नहीं होगी;

(ढ) संबंधित निर्यात के समय उत्पन्न किसी भी कर लाभ को निष्प्रभावी कर दिया गया हो; तथा,

(ण) पुन: आयात के तहत आभूषण की पहचान निर्यात से स्थापित की जाती है और इसे बदला या बढ़ाया न गया हो।"

5. उक्त विनियमों में "फॉर्म एचए" में,-

(i) शीर्षक ख के पश्चात दी गई तालिका के पश्चात निम्नलिखित तालिका अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा: -

"ख.1

यदि तालिका ख में कॉलम 12 का उत्तर हाँ है				
(i) यूआरएल (वेबसाइट का नाम)	(ii) ई-कॉमर्स ऑपरेटर का नाम	(iii) भुगतान/अद्वितीय लेनदेन आईडी	(iv) आदेश संख्या	(v) आदेश तिथि"

(ii) तालिका ग के पश्चात निम्नलिखित तालिका को अंतस्थापित किया जाएगा, यथा:-

" घ

(क)	(ख)		
क्या निर्यात खेप में CTH 7117 या CTH 7113 के अंतर्गत आने वाले आभूषण शामिल हैं (हां/नहीं)	यदि हां, तो कॉलम (1) के अनुरूप मदवार विनिर्देश:		
(1)	(बी.1) सामान्य विनिर्देश (2)		
	(i) मद क्र.सं. (शीर्षक ख के पश्चात दी गई तालिका के मद (9) के अनुसार)	(ii) एसकेयू सं (S.K.U)	(iii) आभूषण का प्रकार (क) सोना (ख) चांदी (ग) कृत्रिम आभूषण (घ) कोई अन्य कीमती धातु

यदि, (बी.1)(iii)(ए)													
(B.1)(iii)(a.1) Purity (Karat) [(i)le	*(B.1)(iii)(a.2)* Hall mark certificate (Upl	*(B.1)(iii)(a.3)* Wt. of gold (in gm)	*(B.1)(iii)(a.4)* Whether studded or set	*(B.1)(iii)(a.4.1)* If yes, (a) Diamond or	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* If diamond					(बी.1)(iii)(ए.4.1)(बी) यदि अन्य कीमती या अर्द्ध कीमती पत्थर			
					(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(a) Cut [marquise,	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(b)* Color [D, E, F, G, H, I,	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* (c) Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(d)* Carat	*(B.1)(iii)(a.4.1(a)(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(a4.1)(b)(b)* Whether	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(c)* No.	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(d)* Cou

ss than 6 or (ii) 6-24]	oad if any)		with precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	(b) other precious or semi-precious stone	princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	,I3 or any other]				Natural or Synthetic	Of Stones	ntry of origin

यदि, (बी.1)(iii)(बी)												
(B.1)(iii)(b.1) Percentage of Silver content	*(B.1)(iii)(b.2)* Wt. of Silver (in gm)	*(B.1)(iii)(b.3)* Whether studded or set with precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(b.3)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	(बी.1)(iii)(बी.3.1)(ए) यदि हीरा					(बी.1)(iii)(बी.3.1)(बी) यदि अन्य कीमती या अर्द्ध कीमती पत्थर			
				(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(a) Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a) (b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a) (c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1(d))* Carat	*(B.1)(iii)(a.3.1)(a) (e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(c)* *No. of Stones*	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(d)* Country of Origin

यदि, (बी.1)(iii)(डी)													
(B.1)(iii)(d.1) Purity	*(B.1)(iii)(d.2)* Name of Certificate (if	*(B.1)(iii)(d.3)* Wt. of the precious meta	*(B.1)(iii)(d.4)* Whether studded or set with precio	*(B.1)(iii)(d.4.1)* If yes, (a) Diamond or	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* If other precious or semiprecious stone			
				(B.1)(iii)(d.4.1)(a) *(a)* [Cut marqui	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(b)* Color [D, E,	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(d)* Carat	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b))* *(a)* Name of the	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(b)* Whether	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(c)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(d)* Countr

	any)	l (in gm)	us/semi-precious stones *(Yes/ No)*	(b) other precious or semi-precious stone	se, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]			stone	Natural or Synthetic		y of Origin”.

6. उक्त विनियमों में, “प्रपत्र ई” में,-

(i) श्रेणी 6 के पश्चात निम्नलिखित श्रेणी को अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा: -

“ ई-कॉमर्स आयात का विवरण 6A			
(i) यूआरएल (वेबसाइट का नाम)	(ii) ई-कॉमर्स ऑपरेटर का नाम	(iii) ऑडर संख्या	(iv) ऑडर की तिथि";

(ii) कॉलम (37) में,-

(क) प्रत्येक इनवाइस के अंतर्गत उप शीर्ष के तहत मदवार सूचना, 'पुन: आयत के मामले से संबंधित उप-कॉलम के पश्चात [(ix) - 19 (ए)]' के विवरण के पश्चात निम्नलिखित विवरण को अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा:-

“ई-कॉमर्स आयात के पुन:आयात के मामले "(ix)-19(एए)			
(क)	(ख)		
यदि वह CTH 7117 या CTH 7113 के तहत आने वाले आभूषणों वाला ई-कॉमर्स रीइम्पोर्ट कंसाइनमेंट है (हां/नहीं)	यदि हां, तो कॉलम (1) के अनुरूप मदवार विनिर्देश:		
(1)	(बी.1) सामान्य विनिर्देश (2)		
	(i) मद क्र.सं. [क्रमांक 37 (i) से	(ii) एसकेयू (S.K.U.) सं	(iii) आभूषण का प्रकार (क) सोना (ख) चांदी (ग) कृत्रिम आभूषण (घ) कोई अन्य कीमती धातु

यदि, (बी.1)(iii)(ए)

(B.1)(iii)(a.1) Purity(Karat) [(i)less than 6 (ii)6-24]	*(B.1)(iii)(a.2)* Hall mark certificate (Upload if any)	*(B.1)(iii)(a.3)* Wt. of gold(in gm)	*(B.1)(iii)(a.4)* Whether studded or set with precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(a.4.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* If diamond					(बी.1)(iii)(ए.4.1)(बी) यदि अन्य कीमती या अर्द्ध कीमती पत्थर			
					(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(a) Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(d)* Carat	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(c)* No. of stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(d)* Country Of Origin

यदि, (बी.1)(iii)(बी)												
(B.1)(iii)(b.1) Percentage of Silver content	*(B.1)(iii)(b.2)* Wt. of silver (in gm	*(B.1)(iii)(b.3)* Whether studded or set in precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(b.3.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	(बी.1)(iii)(बी.3.1)(ए) यदि हीरा					(बी.1)(iii)(बी.3.1)(बी) यदि अन्य कीमती या अर्द्ध कीमती पत्थर			
				(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(a) Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(d)* Carat	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(c)* No. of stones	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(d)* Country of Origin

यदि, (बी.1)(iii)(डी)													
(B.1)(iii)(d.1) Purity(Carat)	*(B.1)(iii)(d.2)* Certificate (if any) [upload]	*(B.1)(iii)(d.3)* Wt.of precious metal (in gm)	*(B.1)(iii)(d.4)* Whether studded or set in precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(d.4.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	(बी.1)(iii)(डी.4.1)(ए) यदि हीरा					(बी.1)(iii)(डी.4.1)(बी) यदि अन्य कीमती या अर्द्ध कीमती पत्थर			
					(B.1)(iii)(d.4.1)(a) *(a)* Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Zor any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(d)* Carat	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(c)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(d)* Country of Origin";

(ख) पुन: आयात के मामले में शिपिंग बिल का ब्यौरा उप शीर्ष के तहत, शीपिंग बिल में मद क्रम सं. से संबंधित कॉलम में, निम्नलिखित प्रविष्टियों के लिए प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा:-

"शिपिंग बिल में मद क्रम सं. विवरण" "(ix-19(w)(v))		
ए. निर्यात किए गए माल का विवरण		
(ए.1) CSB-V. में आभूषण मद की क्रम सं.	(ए.2) आभूषण का FOB मूल्य	(ए.3) पुन: आयात का कारण क. वापसी का कारण जैसा कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कैप्चर किया गया है ख. डेस्टिनेशन पोर्ट पर कस्टम मंजूरी नहीं हो सका
(1)	(2)	(3)".

7. उक्त विनियमों में, प्रपत्र घ में, क्रमांक 18: और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद, निम्नलिखित अंत:स्थापित किया जाएगा, यथा: -

"18ए. ई-कॉमर्स आयात विवरण:			
(i) यूआरएल (वेबसाइट का नाम)	(ii) ई-कॉमर्स ऑपरेटर का नाम	(iii) ऑडर संख्या	(iv) ऑडर की तिथि"

[फा. सं. 455/03/2020-सीमाशुल्क V]

कोमिला पुनिया, उप सचिव

नोट : प्रधान अधिसूचना सं. 36/2010-सीमाशुल्क (गै.टे.), दिनांक 5 मई, 2010 को सा.का.नि. 385(अ), दिनांक 5 मई, 2010 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में प्रकाशित किया गया था और इसमें अंतिम बार अधिसूचना संख्या 85/2021-सीमाशुल्क (गै.टे.), दिनांक 27 अक्टूबर 2021 को सा.का.नि. 768(अ), दिनांक 27 अक्तूबर 2021 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) प्रकाशित किया गया था, के द्वारा संशोधन किया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF INDIRECT TAXES AND CUSTOMS)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 2022

No. 57/2022-Customs (N.T.)

G.S.R. 485(E).—In exercise of the powers conferred by section 157 read with section 84 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Indirect Taxes and Customs hereby makes the following regulations further to amend the Courier Imports and Exports (Electronic Declaration and Processing) Regulations, 2010, namely:-

1. Short title and commencement. - (1) These regulations may be called the Courier Imports and Exports (Electronic Declaration and Processing) Amendment Regulations, 2022.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Courier Imports and Exports (Electronic Declaration and Processing) Regulations, 2010 (hereinafter referred to as the said regulations), in regulation 2,-

(a) in sub-regulation (2), in clause (a), for sub-clause (iv), the following sub-clause shall be substituted, namely: -

"(iv) precious and semi-precious stones, gold or silver in any form, except to the extent of re-import specified in sub-regulation (4);".

(b) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely: -

"(4) These regulations shall also apply to re-import of, -

(i) jewellery made of precious metals, whether or not studded or set with precious and semi-precious stones, classified under CTH 7113 but excluding CTSH 71131190 and CTSH 71131960 of the First Schedule of the Customs Tariff Act, 1975(51 of 1975), and

(ii) imitation jewellery classified under CTH 7117 of the First Schedule of the Customs Tariff Act, 1975,

sold and exported by an exporter using the courier mode through an e-commerce platform and returned through the same platform, using the same mode, subject to conditions and restrictions, as specified in regulation 6A.".

3. In the said regulations, in regulation 3, in sub-regulation (1), after clause (d), the following clause shall be inserted, namely: -

"(da) "e-commerce" means buying and selling of goods through the internet on an e-commerce platform, the payment for which shall be done through international credit or debit cards and as specified by the Reserve Bank of India from time to time;".

4. In the said regulations, after regulation 6, the following regulation shall be inserted, namely:-

"**6A. Conditions and restrictions for re-import of returned jewellery exported through the courier mode on an e-commerce platform.-** Without prejudice to other provisions of these regulations, for re-import of returned jewellery or imitation jewellery specified in sub-regulation (4) of regulation 2, the following conditions and restrictions shall also apply, namely:-

(a) the authorised courier files the Courier Bill of Entry for re-import for the same Importer-Exporter Code (IEC) holder and at the same international courier terminal, for whom and where the corresponding Courier Shipping Bill (CSB-V) for export for that jewellery item was filed;

(b) return e-commerce transaction for the jewellery item is initiated by the same consignee to whom the said jewellery was exported under the corresponding Courier Shipping Bill (CSB-V) and on the same e-commerce platform:

Provided that a courier agent or logistics service provider in the country of consignee may also initiate return e-commerce transaction if the product could not be customs cleared for import in that country;

(c) image of the return confirmation page on the e-commerce platform is uploaded on Express Cargo Clearance System (ECCS) while filing Courier Bill of Entry for such re-import;

(d) the reason of re-import is provided in the Courier Bill of Entry and the returned jewellery item is re-imported along with the original packing;

(e) exporter, who is re-importing, continues to have a valid IEC and Registration-cum-Membership Certificate (issued by the Gems and Jewellery Export Promotion Council);

(f) Free on Board (FOB) value of the jewellery item under re-import was not more than twenty-five thousand rupees when exported;

(g) the Courier Bill of Entry for such re-import is filed no later than forty-five days from the date of corresponding Let Export Order (LEO) of the Courier Shipping Bill for export;

(h) the corresponding export stands reconciled by proper filing of Export General Manifest (EGM);

(i) each Courier Bill of Entry filed for such re-import includes item wise details corresponding to the concerned Courier Shipping Bill-V (CSB-V) filed for export;

(j) the jewellery item under re-import conforms and corelates to the description filed and other specifications given in the corresponding Courier Shipping Bill-V (CSB-V);

(k) total Cost, Insurance and Freight (CIF) value of such re-imports for an IEC holder in a financial year does not exceed 2% of the total FOB value (in INR) of jewellery classified under CTH 7113 (excluding CTSH 71131190 and CTSH 71131960) and imitation jewellery classified under CTH 7117, of the First Schedule of the Customs Tariff Act,1975 exported by that IEC holder in the previous financial year under the courier mode on ECCS or one lakh rupees, whichever is greater;

(l) total number of Courier Bills of Entry filed for such re-imports on account of returns, in a financial year, does not exceed 5% of the total number of Courier Shipping Bills (CSB-V) filed by that IEC holder in the previous financial year under Courier mode on ECCS for jewellery classified under CTH 7113 (excluding CTSH 71131190 and CTSH 71131960) and imitation jewellery classified under CTH 7117, of the First Schedule of the Customs Tariff Act, 1975 or ten, whichever is greater;

(m) notwithstanding anything contained in clauses (k) and (l) , the total CIF value of such re-import for any IEC holder shall not exceed fifty thousand rupees and the total number of Courier Bills of Entry of such re-import shall not exceed five, for the financial year 2022-23;

(n) any tax benefit arisen at the time of corresponding export is neutralised; and,

(o) identity of the jewellery under re-import is established to be the same as the one exported and it has not been altered or enhanced.".

5. In the said regulations, in Form HA,-

(i) after the table under heading B, the following shall be inserted, namely: -

"B.1

If answer to column 12 in the Table under heading B is yes				
(i) URL (Name of the Website)	(ii) Name of E-commerce Operator	(iii) Payment/ unique transaction ID	(iv) Order No.	(v) Order Date";

(ii) after the table under heading C, the following shall be inserted, namely: -

" D

(A)	(B)		
Whether export consignment contains jewellery falling under CTH 7117 or CTH 7113 (Yes/ No)	*If yes, Item-wise specification corresponding to Column (1):*		
(1)	*(B.1) General Specifications* *(2)*		
	(i) Item S.No. (as per column (9) of the Table under heading B)	(ii) SKU No.	(iii) Type of jewellery (a) Gold (b) Silver (c)Artificial jewellery (d) Any other precious metal

If, (B.1)(iii)(a)													
(B.1)(iii)(a.1) Purity (Karat) [(i)less than 6 or (ii) 6-24]	*(B.1)(iii)(a.2)* Hall mark certificate (Upload if any)	*(B.1)(iii)(a.3)* Wt. of gold (in gm)	*(B.1)(iii)(a.4)* Whether studded or set with precious/semi-precious stones *(Yes/ No)*	*(B.1)(iii)(a.4.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)* If other precious or semiprecious stone			
					(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(a) Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* (c) Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2, I3 or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)(d)* Carat	*(B.1)(iii)(a.4.1(a)(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(a 4.1)(b)(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b) (c)* No. Of Stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b) (d)* Country of origin

If, (B.1)(iii)(b)												
(B.1)(iii)(b.1) Percentage of Silver content	*(B.1)(iii)(b.2)* Wt. of Silver (in gm)	*(B.1)(iii)(b.3)* Whether studded or set with precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(b.3)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)* If other precious or semiprecious stone			
				(B.1)(iii)(b.3.1)(a)(a) Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a) (b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a) (c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2, SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1(d)* Carat	*(B.1)(iii)(a.3.1)(a) (e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(c)* *No. of Stones*	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)(d)* Country of Origin

If, (B.1)(iii)(d)													
(B.1)(iii)(d.1) Purity	*(B.1)(iii)(d.2)* Name of Certificate (if any)	*(B.1)(iii)(d.3)* Wt. of the precious metal (in gm)	*(B.1)(iii)(d.4)* Whether studded or set with precious/semi-precious stones *(Yes/ No)*	*(B.1)(iii)(d.4.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* If other precious or semiprecious stone			
					(B.1)(iii)(d.4.1)(a) *(a)* Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2, I3 or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(d)* Carat	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(c)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(d)* Country of Origin".

6. In the said regulations, in Form E,-

(i) after column (6), the following column shall be inserted, namely: -

"Details of e-commerce import 6A			
(i) URL (Name of the Website)	(ii) Name of E-commerce Operator	(iii) Order No.	(iv) Order Date";

in column (37),-

(a) under the sub-heading Item-wise Information under each Invoice, after the sub-column relating to 'Case of Re-Import [(ix) – 19(a)]', the following shall be inserted, namely:-

"Case of e-commerce Re-import (ix)-19(aa)			
(A)	(B)		
Whether it is an E-Commerce re-import consignment containing jewellery falling under CTH 7117 or CTH 7113 (Yes/ No)	*If yes, Item-wise specification corresponding to Column (1):*		
(1)	*(B.1) General Specifications* *(2)*		
	(i) Item S.No. [of Invoice NO. at column 37 (i)]	(ii) SKU No.	(iii) Type of jewellery (a) Gold (b) Silver (c)Artificial jewellery (d) Any other precious metal

If, (B.1)(iii)(a)													
(B.1)(iii)(a.1) Purity(Karat) [(i)less than 6 or ii)6-24]	*(B.1)(iii)(a.2)* Hallmark certificate (Upload if any)	*(B.1)(iii)(a.3)* Wt. of gold(in gm)	*(B.1)(iii)(a.4)* Whether studded or set with precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(a.4.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)* If other precious or semiprecious stone			
					(B.1)(iii)(a.4.1)(a) *(a)* Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* *(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* *(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* *(d)* Carat	*(B.1)(iii)(a.4.1)(a)* *(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)* *(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)* *(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)* *(c)* No. of stones	*(B.1)(iii)(a.4.1)(b)* *(d)* Country Of Origin

If, (B.1)(iii)(b)													
(B.1)(iii)(b.1) Percentage of Silver content	*(B.1)(iii)(b.2)* Wt. of silver (in gm	*(B.1)(iii)(b.3)* Whether studded or set in precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(b.3.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)* If other precious or semiprecious stone				
				(B.1)(iii)(b.3.1)(a) *(a)* Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)* *(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)* *(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2,I3 or any other]	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)* *(d)* Carat	*(B.1)(iii)(b.3.1)(a)* *(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)* *(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)* *(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)* *(c)* No. of stones	*(B.1)(iii)(b.3.1)(b)* *(d)* Country of Origin	

If, (B.1)(iii)(d)													
(B.1)(iii)(d.1) Purity(Carat)	*(B.1)(iii)(d.2)* Certificate [upload, if aany]	*(B.1)(iii)(d.3)* Wt .of precious metal (in gm)	*(B.1)(iii)(d.4)* Whether studded or set in precious/semi-precious stones *(Yes/No)*	*(B.1)(iii)(d.4.1)* If yes, (a) Diamond or (b) other precious or semi-precious stone	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* If diamond					*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* If other precious or semiprecious stone			
					(B.1)(iii)(d.4.1)(a) *(a)* Cut [marquise, princess, pear, oval, heart, emerald or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(b)* Color [D, E, F, G, H, I, J, K, L, M, N, O, P, Q, R, S, T, U, V, W, X, Y, Z or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(c)* Clarity [F,IF,VVS1, VVS2,VS1,VS2,SI1,SI2,I1,I2, I3 or any other]	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(d)* Carat	*(B.1)(iii)(d.4.1)(a)* *(e)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(a)* Name of the stone	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(b)* Whether Natural or Synthetic	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(c)* No. of Stones	*(B.1)(iii)(d.4.1)(b)* *(d)* Country of Origin”;

(b) under the sub-heading Shipping Bills Details in case of Re-Import, in the column relating to Item Serial Number in Shipping Bill, for the entries the following shall be substituted, namely:-

“Item Serial Number Details in Shipping Bill “(ix-19(w)(v))		
A. Details of Consignment exported		
(A.1) *S.No. of the jewellery Item in the CSB-V*	*(A.2)* *FOB value of the corresponding jewellery item*	*(A.3) Reason for re-import* a. *Reason for return as captured on the e-commerce platform, or* b. *Could Not Be Customs Cleared at Destination Port*
(1)	*(2)*	*(3)”.*

7. In the said regulations, in Form D, after S.No.18 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely: -

“18A. E-commerce Import details:			
(i) URL (Name of the Website)	(ii) Name of E-commerce Operator	(iii) Order No.	(iv) Order Date”.

[F. No. 455/03/2020-Cus.V]

KOMILA PUNIA, Dy. Secy.

Note : The principal notification No. 36/2010-Customs (N.T.), dated the 5th May, 2010 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i), *vide* number G.S.R. 385(E), dated the 5th May, 2010 and was last amended, *vide* notification No. 85/2021-Customs (N.T.), dated the 27th October 2021, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i), *vide* number G.S.R. 768(E), dated the 27th October 2021.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2022.07.01 00:12:54 +05'30'